हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
सोमवार, 14 सितंबर 2020, बरेली, यूपी प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

PAGE NO, 07, MIDDLE

सही जांच से ही बीमारी का सटीक इलाज

बरेली | हिन्दुस्तान संवाद

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में रविवार को इंडियन एकेडमी आफ साइटोपैथोलाजिस्ट के यूपी चैप्टर की वर्चुअल साइटोपैथोलाजी सीएमई का आयोजन हुआ। इस वेबिनार में देश के नामचीन विशेषज्ञ डाक्टरों ने रोगों की जांच में होने वाले आधुनिक बदलावों की जानकारी दी। वर्चुअल वेबिनार में छह सौ से ज्यादा पैथोलाजिस्ट और पीजी स्टूटेंट शामिल हुए।

मेडिकल कालेज के आडिटोरियम में वेबिनार का शुभारंभ मां सरस्वती को पुष्पांजलि और दीप प्रज्जवलन से किया गया। वैबीनार में विशेषज्ञों ने केस स्टडी के जरिये कहा कि किसी भी बीमारी का इलाज उसकी सटीक और शीघ्र जांच से ही सुनिश्चित होता है। इसमें आधुनिक तकनीक अपनाना जरूरी है। नई दिल्ली स्थित एम्स के प्रोफेसर डा.संदीप माथुर ने इफ्यूजन साइटोलाजी विषय पर चर्चा की। उन्होंने रोगों की जांच के लिए ब्लड कलेक्शन में आ रही आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। यूसीएमएस के प्रोफेसर डा.वीके अरोरा ने फोलिकुलर लेसिन्स को सात केस के जरिये आधुनिक जांचों के तरीकों को बताया। एनआईसीपीआर की साइंटिस्ट डा.रुचिका गुप्ता ने एक मरीज का उदाहरण देते हुए रेडियोलाजिक इंवेस्टिगेशन में आ रहे बदलावों की बात रखी। वेबिनार के समापन पर यूपी चैप्टर के सेक्रेटरी डा.अनुराग गुप्ता ने उपस्थित विशेषज्ञों का धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में डा.तनु अग्रवाल, डा.एनके अरोरा, डा.रोहित शर्मा, डा.हेमा पंत और डा.सुरभि पांडेय, आदि रहे।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में वर्चुअल साइटोपैथोलाजी सीएमई कार्यक्रम हुआ।

वर्चुअल वेबिनार

- जांच में आधुनिक बदलावों पर विशेषज्ञ ने दी जानकारी
- देश के 600 से ज्यादा पैथोलाजिस्ट और स्टूटेंट शामिल